राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 277 | जौनपुर | मंगलवार, 27 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

यूपी को हराकर रेलवे की टीम चैंपियन

गोरखपुर, (संवाददाता)। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में चल रही 36वीं फेडरेशन कप हैंडबॉल चौंपियनशिप के महिला वर्ग में इंडियन रेलवे ने मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम को रोमांचक मुकाबले में हराकर खिताब को अपने नाम किया। राजस्थान व गुजरात की टीमें संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। फाइनल मुकाबले में मध्यांतर तक दोनों ही टाइम नौ–नौ गोल के साथ बराबरी पर थीं। उसके बाद रेलवे ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और दो गोल के अंतर से उत्तर प्रदेश को पराजित कर चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। रेलवे की तरफ से निक्की ने पांच, आशा ने चार, सुषमा और प्रियंका ने दो–दो गोल किए। उत्तर प्रदेश की तरफ से खुशबू ने पांच, मोना ने तीन गोल किए। विजेता, उपविजेता व तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों व खिलाड़ियों को टॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व, रविवार सुबह महिला वर्ग के सेमीफाइनल मैच खेले गए।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी को खुफिया जानकारी देने के आरोप में सीआरपीएफ जवान गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के साथ संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप में दिल्ली से सीआरपीएफ के एक जवान को गिरफ्तार किया है, एक अधिकारी ने सोमवार को कहा। आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने कहा कि मोती राम जाट जासूसी में सक्रिय रूप से शामिल था और 2023 से राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित वर्गीकृत जानकारी पाकिस्तानियों के साथ साझा कर रहा था। एनआईए ने कहा कि एजेंसी ने विभिन्न माध्यमों से पाकिस्तानी अधिकारियों से उसे प्राप्त होने वाले धन का पता लगाने में भी कामयाबी हासिल की है। मोती राम जाट की गिरफ्तारी के तुरंत बाद, एनआईए ने उसे पटियाला हाउस कोर्ट में एक विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया, जिन्होंने उसे 6 जून तक एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। उसकी हिरासत की मांग के लिए एक आवेदन पेश करते हुए, एनआईए ने अदालत को बताया कि उसके जांचकर्ता सीआरपीएफ जवान से उन लोगों के बारे में पूछताछ करना चाहते हैं, जिनसे वह मिलता था। उसका पाकिस्तान, चीन दौरा रहा खास जांचकर्ताओं ने जासूसी में कथित रूप से शामिल उसके सहयोगियों की पहचान करने के लिए उसे अन्य शहरों में ले जाने का इरादा भी जताया। सीआरपीएफ जवान की गिरफ्तारी भारतीय एजेंसियों द्वारा पाकिस्तानी जासूसों के खिलाफ की गई कार्रवाई के तुरंत बाद हुई है, जिसके कारण हाल ही में हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से 11 अन्य को गिरफ्तार किया गया था।

कांग्रेस का नशा विरोधी अभियान शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के प्रमुख देवेंद्र यादव ने रविवार को ड्रग्स और बढ़ते अपराध के खिलाफ एक महत्वाकांक्षी शहरव्यापी अभियान की शुरुआत की, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार और पिछली आप सरकार पर बढ़ते संकट को दूर करने में विफल रहने का आरोप लगाया। श्नशे के विरुद्ध कांग्रेस का युद्धश शीर्षक से अभियान की शुरुआत बादली विधानसभा क्षेत्र में शांति मार्च से हुई। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के साथ शामिल हुए यादव ने नशा मुक्त और अपराध मुक्त दिल्ली बनाने की कसम खाई। उन्होंने कहा, ष्हमने शहर को नशीले पदार्थों, अवैध शराब और आपराधिक गतिविधियों से मुक्त करने की शपथ ली है, जो हमारे युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं।ष श्आओ मिलकर करें शपथ, दिल्ली को बनाएं नशा मुक्तश के नारे के साथ मार्च नील पहलवान फार्महाउस से शुरू हुआ और कलंदर कॉलोनी, भलस्वा डेयरी, दुर्गा चौक और राजीव नगर से होते हुए भलस्वा डेयरी थाने पर समाप्त हुआ। यादव ने कहा कि दिल्ली में हर दिन छह बलात्कार, दो हत्याएं, 18 चेन स्नेचिंग और तीन डकैती के मामले सामने आते हैं।

अगर कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय : प्रधानमंत्री मोदी

दाहोद, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने दाहोद में करीब 24,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने वेरावल और अहमदाबाद के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस और वलसाड और दाहोद स्टेशनों के बीच एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित भी किया। पीएम मोदी ने श्ऑपरेशन सिंदूरश का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र मां भारती की, मानवता की रक्षा के लिए हमारे तप और त्याग को दर्शाता है। सोचिए, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने जो कुछ किया, क्या भारत चुप बैठ सकता है? क्या मोदी चुप बैठ सकता है? अगर कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं है। ये हम भारतीयों के संस्कारों और हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है। आतंकवादियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। इसलिए मोदी ने वही किया, जिसके लिए देशवासियों ने मुझे प्रधान सेवक की जिम्मेदारी दी है। पीएम मोदी ने कहा, श्मोदी ने अपनी तीनों सेनाओं को खुली छूट दी और हमारे शूरवीरों ने वो कर दिखाया, जो दुनिया ने पिछले कई दशकों से नहीं देखा था। हमने सीमापार चल रहे 9 आतंकी ठिकानों को ढूंढ निकाला और 22 तारीख को उन्होंने जो खेल खेला था, 6 तारीख की रात को 22 मिनट में हमने उन्हें मिट्टी में मिला दिया। भारत की इस कार्रवाई से बौखलाकर जब पाकिस्तानी सेना ने दुस्साहस दिखाया, तो हमारी सेनाओं ने पाकिस्तानी फौज को भी धूल चटा दी। उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद नए–नए बने देश का एक ही लक्ष्य था– भारत से नफरत करना और हमारी प्रगति को रोकने की कोशिश करना, लेकिन हमारा एक ही लक्ष्य है– आगे बढ़ते रहना, गरीबी को खत्म करना और विकसित भारत का निर्माण करना। वास्तव में विकसित भारत तभी संभव है, जब हमारी सशस्त्र सेनाएं मजबूत हों और हमारी अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो। हम पूरी लगन और दृढ़ संकल्प के साथ लगातार उस दिशा में काम कर रहे हैं। इससे पहले सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, श्आज 26 मई है। 2014 में इसी तारीख को मैंने पहली बार प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। सबसे पहले गुजरात के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिया, फिर करोड़ों भारतीयों ने मुझे आशीर्वाद दिया।

पाकिस्तान के प्रवक्ता की भाषा बोल रहे हैं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे : सीएम केशव

प्रयागराज, (एजेंसी)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आपरेशन सिंदूर से कांग्रेस बौखला गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पाकिस्तान के प्रवक्ता की भाषा बोल रहे हैं। राहुल और खरगे की लोकप्रियता भारत से ज्यादा पाकिस्तान में हैं। इन दोनों नेताओं के बयान से इनकी पार्टी के ही सभी नेता सहमत नहीं हैं। केशव सोमवार को प्रयागराज पहुंचे थे। सर्किट हाउस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। डिप्टी सीएम केशव ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक के बाद आपरेशन सिंदूर से कांग्रेस बौखला गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे देश के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। यह दोनों नेता पाकिस्तान के प्रवक्ता और पाकिस्तान की सेना की भाषा बोल रहे हैं। इनके बयान से इनकी ही पार्टी के सभी नेता सहमत नहीं है। सर्वदलीय सांसदों का प्रतिनिधि मंडल जो दुनिया के अलग–अलग देशों में गया है उसमें कांग्रेस के भी सांसद गए हैं और वह पीएम मोदी और भारतीय सेना की प्रशंसा पूरे विश्व में कर रहे हैं।

दिल्ली सरकार के साप्ताहिक जनसुनवाई शिविर सफल, भारी भीड़ उमड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक–केंद्रित शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने राजधानी के राजस्व जिलों में हर शनिवार को आयोजित होने वाले साप्ताहिक जनसुनवाई (सार्वजनिक सुनवाई) शिविरों के माध्यम से एक मजबूत सार्वजनिक शिकायत निवारण पहल शुरू की है। सरकार को लोगों के दरवाजे तक पहुंचाने के लिए बनाए गए इन शिविरों में लोगों की भागीदारी बढ़ रही है और शिकायतों का त्वरित समाधान हो रहा है। जनजीवन प्रभावित मुख्यमंत्री गुप्ता ने सरकार की शासक के बजाय एक लोक सेवक के रूप में भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो सरकार और नागरिकों के बीच सीधे और जमीनी स्तर पर संवाद की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा, यह केवल एक शिकायत निवारण कार्यक्रम नहीं

हैय यह लोगों की बात सुनने और समाधान खोजने की हमारी प्रतिबद्धता है। हम सुनिश्चित करेंगे कि हर शिकायत का समयबद्ध और जिम्मेदार तरीके से समाधान किया जाए। विधायकों, नगर पार्षदों और दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली नगर निगम, पुलिस, बिजली वितरण कंपनियों, लोक निर्माण विभाग और स्वास्थ्य और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों सहित 18 से अधिक प्रमुख विभागों के अधिकारियों की साझेदारी में आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर न केवल राजस्व कार्यालयों में बल्कि स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों, चौपालों और 'बारात घरों' जैसे अधिक सुलभ स्थानों पर भी आयोजित किए जाते हैं, जिससे व्यापक पहुंच सुनिश्चित होती है। अब तक 1,000 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान किया गया। अनसुलझे शिकायतों को त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को तुरंत भेजा जा रहा है।

अकेले लड़ेंगे पंचायत चुनाव, साथ रहने पर कम सीटें मिलती हैं : मंत्री राजभर

सुल्तानपुर, (एजेंसी)। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर सुल्तानपुर पहुंचे। यहां मीडिया से बात करते हुए ओपी राजभर ने पंचायत चुनाव पर कहा कि पंचायत चुनाव छोटे चुनाव होते हैं। जो कार्यकर्ता विधायकी नहीं लड़ सकता, एमपी नहीं लड़ सकता। वो पंचायत चुनाव लड़ सकता है। वो पांच साल, दस साल मेहनत करता है तो उसको भी लड़ने का मौका मिलेगा। पंचायत चुनाव में भाजपा के साथ लड़ने पर उन्होंने कहा कि समझौते में लड़ते हैं तो कम सीटें मिलती हैं, जिससे छोटे नेताओं को दिक्कत होती है इसलिए सबका प्रयास होता है कि हम ज्यादा से ज्यादा अपने नेताओं को चुनाव लड़ाएं। उन्होंने कहा हम तो अकेले लड़ते ही आए हैं अकेले लड़ेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर उन्होंने कहा राहुल गांधी एक ऐसे नेता हैं जब भी विदेश में जाते हैं तो भारत को कटघरे में खड़ा करते हैं। जब 60 साल से उनकी सरकार थी तो उन्होंने क्यों विदेश नीति बढ़िया नहीं बनाई। उन्होंने बेहतर बनाई होती तो आज यह नौबत नहीं होती। ओपी राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा था कि बच्चों में अलग–अलग प्रतिभाएं हैं। कोई खेल के प्रति तो कोई नृत्य के प्रति जागरूक है। कोई शिक्षा के प्रति जागरूक है। सरकार बेहतर करने के लिए प्रयासरत है। आप जब विद्यालय में जाएंगे तो देखेंगे कि विद्यालय का स्वरूप जो कल था उसमें आज बड़ा परिवर्तन आपको नजर आएगा। अब हमारे अध्यापक बच्चों के प्रति जो उनकी जिम्मेदारी है उसका निर्वहन कर रहे हैं। सरकार की तरफ से जो सुविधाएं हैं उन्हें उपलब्ध करा रहे हैं। वहीं, उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश और समाज के लिए जो भी किया उसे इतिहास से विलुप्त कर दिया गया था। लोगों को जानकारी नहीं हो पाती थी। आज उस इतिहास को हमारी एनडीए की सरकार अभियान चलाकर सभी महापुरुषों के बारे में जनता को बता रही है। ओपी राजभर ने ये भी कहा कि मुख्यमंत्री की स्पष्ट सोच है उनका कहना है कि सबका साथ सबका विकास। हमारा प्रयास है।

केरल सरकार के खिलाफ एनडीए ने शुरू किया अभियान, राजीव चंद्रशेखर ने सीएम पी विजयन पर साधा निशाना

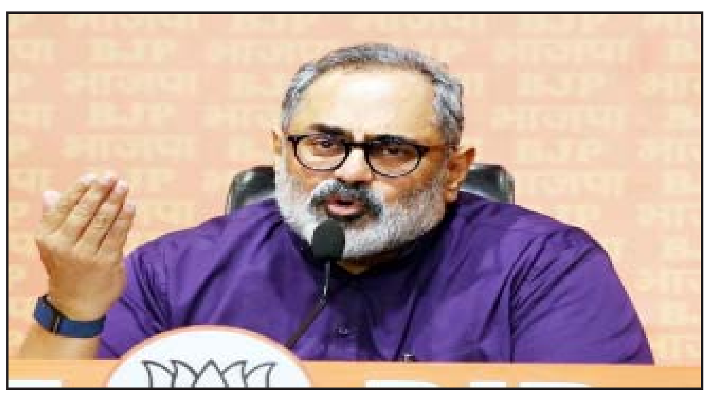

केरल, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 26 मई से केरल में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के खिलाफ एक साल का अभियान शुरू कर दिया है जिसमें राज्य में कथित रूप से बिगड़ती कानून व्यवस्था सहित कई मुद्दे उठाए जा रहे हैं। केरल सचिवालय के सामने एनडीए के विरोध प्रदर्शन पर, भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि आज से 9 साल पहले, केरल के लोगों ने पी विजयन और वामपंथियों द्वारा दिए गए आश्वासनों पर विश्वास किया, उन्हें 2 अवसर दिए और आज विजयन और वामपंथी जश्न मना रहे हैं। सक्रिय मामले, केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली में बढ़ा खतरा चंद्रशेखर ने दावा किया कि यह विरोध 9 वर्षों के अर्थ को उजागर करने के लिए है – जिसमें 4 चीजें कुशासन, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और आर्थिक कुप्रबंधन शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि नतीजा यह है कि देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी, खुदरा महंगाई और प्रति व्यक्ति कर्ज केरल में हैय राज्य में सबसे कम निवेश होता है, और यह ऐसा राज्य है जहां दलित समुदाय भी अपनी सुरक्षा और अधिकारों के लिए डरता है। इन 9 सालों का जश्न कोई नहीं मना रहा है। अगले 1 साल तक भाजपा हर कुकृत्य, तुष्टिकरण को उजागर करेगी... ताकि अगले साल लोग माकपा या कांग्रेस मॉडल नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा, एनडीए के विकसित केरल मॉडल को चुनें। केरल सरकार की प्रगति रिपोर्ट जारी होने पर बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा कि पिनाराई विजयन सरकार की उपलब्धियों के रूप में उजागर की गई सभी परियोजनाएं केंद्र सरकार की परियोजनाएं थीं। कृष्णदास ने कहा कि कल, सरकार ने अपनी चार साल की प्रगति रिपोर्ट प्रकाशित की। लेकिन ये सभी केंद्र सरकार की परियोजनाएं थीं। आज तक, सीएम दावा करते रहे हैं कि राष्ट्रीय प्राधिकरण राज्य सरकार की एक परियोजना थी। राष्ट्रीय राजमार्ग में दरारें दिखाई देने के बाद, सीएम ने कहा कि पूरा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना केंद्र सरकार के अधीन है। पिनाराई सरकार की उपलब्धियों के रूप में उजागर की गई सभी परियोजनाएं केंद्र सरकार की परियोजनाएं थीं।

जेएसडब्ल्यू स्टील–भूषण पावर मामला, सुप्रीम कोर्ट ने परिसमापन पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष परिसमापन कार्यवाही पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया, जिससे जेएसडब्ल्यू स्टील को अस्थायी राहत मिली, जो समीक्षा याचिका दायर करना चाहती है। शीर्ष अदालत बीएसपीएल की चल रही परिसमापन प्रक्रिया को चुनौती देने वाली जेएसडब्ल्यू स्टील द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जेएसडब्ल्यू की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने कहा कि कंपनी अदालत के पहले के फैसले की समीक्षा दायर करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर रही है और ऐसा करने के लिए वैधानिक सीमा अवधि अभी समाप्त नहीं हुई है। वकील ने अदालत को यह भी बताया कि समीक्षा याचिका औपचारिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक कदम पहले ही उठाए जा रहे हैं।

बीएसपीएल के पूर्व प्रमोटर–जिन्हें प्रतिवादी नंबर 1 कहा जाता है–शीर्ष अदालत के पहले के निर्देश के त्वरित कार्यान्वयन के लिए दबाव डाल रहे थे, जिससे परिसमापन कार्यवाही शुरू हो जाएगी। जेएसडब्ल्यू ने तर्क दिया कि उसकी समीक्षा याचिका पर विचार किए जाने से पहले परिसमापन की कार्यवाही आगे बढ़ाने से उसके कानूनी अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और याचिका निष्फल हो जाएगी। चिंताओं को समझते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक व्यावहारिक समाधान आवश्यक है। न्यायालय ने कहा कि मामले के गुण–दोष पर कोई राय व्यक्त किए बिना, यदि यथास्थिति बनाए रखी जाती है, तो न्याय के हित को नुकसान होगा। तदनुसार, पीठ ने आदेश दिया कि परिसमापन कार्यवाही के संबंध में वर्तमान यथास्थिति को तब तक बनाए रखा जाना चाहिए जब तक कि समीक्षा याचिका दायर और निपटारा नहीं हो जाता।

असम के मंत्री ने कर्नाटक के पहलगाम हमले के दो पीड़ितों के परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की

असम, (एजेंसी)। असम सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के परिजनों को घोषित वित्तीय सहायता पहुंचाने का क्रम रखा और राज्य के मंत्री बिमल बोरा ने रविवार को कर्नाटक में ऐसे दो परिवारों के आवास पर जाकर अनुग्रह राशि प्रदान की। राज्य के मंत्रिमंडल ने 22 अप्रैल को हुए हमले में मारे गए 26 लोगों के परिवारों को पांच–पांच लाख रुपये अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी। बोरा कर्नाटक के शिवमोगा जिले में स्थित मंजूनाथ राव के घर पर गए और उनकी पत्नी पल्लवी को सहायता राशि का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मंजूनाथ जी का परिवार अपूरणीय क्षति से उबर रहा है, ऐसे में हम इस कठिन समय में परिवार के प्रति अपनी सामूहिक एकजुटता व्यक्त करते हैं। मेरे

सहयोगी बिमल बोरा ने इस घड़ी में परिवार की मदद करने के लिए असम के लोगों की ओर से सहायता राशि प्रदान की है।" बोरा ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार इस कठिन समय में पहलगाम आतंकवादी हमले के सभी पीड़ितों के परिवारों के साथ दृढ़ता से खड़ी है। इसी सिलसिले में हमारे माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, शिवमोगा में दिवंगत मंजूनाथ राव के घर पहुंचा और उनकी पत्नी श्रीमती पल्लवी आर. को हमारी सरकार की ओर से पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।" मंत्री बोरा बेंगलुरू स्थित भारत भूषण के आवास पर भी गए और उनके परिवार को एक चेक सौंपा।

कर्नाटक सरकार भाजपा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेगी

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने उसके कार्य प्रदर्शन के बारे में कथित रूप से गलत प्रचार करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने का फैसला किया है । रविवार को जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में सरकार ने भाजपा द्वारा दृश्य मीडिया और प्रिंट मीडिया में चलाए गए अभियान के माध्यम से कथित रूप से गलत और झूठी सूचना पेश करने का हवाला दिया है। विपक्षी भाजपा ने इस कदम को कर्नाटक में आपातकाल के दूसरे अध्याय की शुरुआत करार दिया है। अधिसूचना में कहा गया कि सरकार ने इस संबंध में बेंगलुरु की 42वीं मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर करने का फैसला किया है और कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) के सचिव को शिकायत दर्ज करने के लिए अधिकृत किया गया है। सरकार ने 67वीं दीवानी और सत्र अदालत से लोक अभियोजक बी एस पाटिल तथा 61वें दीवानी और सत्र न्यायालय से शैलजा नायक को कानूनी कार्यवाही संभालने के लिए नियुक्त किया गया है। साथ ही, गृह विभाग (कानून और व्यवस्था) के उप सचिव कुमता प्रकाश को नियुक्त किया गया है और उन्हें इस मामले में सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय करने तथा लोक अभियोजक को पूरी जानकारी प्रदान करने का आदेश दिया गया है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा ने कहा कि कर्नाटक में पहली बार सरकारी तंत्र और अधिकारियों को नुमाइंदा बनाकर विपक्षी पार्टी और मीडिया को डराने के लिए एक अधिसूचना जारी की गई है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने 'एक्स' पर कहा, "कांग्रेस सरकार से किसी भी तरह की धमकी से भाजपा के डरने का सवाल ही नहीं उठता।

संपादकीय

ईडी की विश्वसनीयता

यह कोई नई बात नहीं है कि देश की जांच एजेंसियों पर सरकार की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करने को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तरफ से पक्षपात के आरोप लगे हों। सरकारी जांच एजेंसियों को वे विपक्ष के नेताओं को डराने–धमकाने का हथियार बताते रहे हैं। अब इन्हीं चिंताओं और सवालों पर देश की शीर्ष अदालत ने भी मोहर लगाई है। विपक्षी नेता खासकर धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत की जा रही कार्रवाइयों पर रोक लगाने की गुहार लगाते रहे हैं। उनका आरोप रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सरकार के हितों की पूर्ति के लिये दुराग्रह से कार्रवाई करता है। हालांकि, अदालत का मानना रहा है कि भ्रष्टाचार,देशविरोधी गतिविधियों तथा आतंकवादी संगठनों को मदद पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई अतार्किक नहीं है। सवाल इस बात को लेकर भी उठते रहे हैं जितने आरोप पत्र ईडी द्वारा दायर किए जाते हैं, उसकी तुलना में दोषसिद्धि की संख्या में बेहद ज्यादा अंतर क्यों है। जो इस बात की ओर इशारा करता है कि मामले दुराग्रह से प्रेरित होते हैं। अदालत भी मानती है कि ठोस प्रमाण के बिना किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक हालिया मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कारगुजारियों पर कोर्ट ने उसे कड़ी फटकार लगाते हुए सीमाएं लांघकर संघीय ढांचे के अतिक्रमण करने की बात कही है। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु में शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में बरती गई कथित धांधली में राज्य विपणन निगम के विरुद्ध ध ानशोधन मामले में ईडी की जांच पर की है। दरअसल, निगम द्वारा शीर्ष अदालत में मामला ले जाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने न केवल जांच रोकी बल्कि ईडी की कारगुजारियों पर सख्त टिप्पणियां भी की हैं। निस्संदेह, ईडी को इस सुप्रीम नसीहत पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कोर्ट को यहां तक कहना पड़ा कि प्रवर्तन निदेशालय संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पीएमएलए की धाराओं के दुरुपयोग को लेकर शीर्ष अदालत पहले भी ईडी के खिलाफ सख्त टिप्पणी कर चुकी है। निस्संदेह, अदालत की इस सख्त टिप्पणी से उन तमाम विपक्षी दलों को संबल मिलेगा जो आए दिन ईडी व अन्य जांच एजेंसियों का सत्तापक्ष द्वारा दुरुपयोग करने का आरोप लगाते थे। वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु राज्य विपणन निगम की दलील थी कि जिन शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में अनियमितताओं के मामले में ईडी ने हस्तक्षेप किया है, उसमें वर्ष 2014 से कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इस मामले में चालीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। वहीं निगम कई मामलों में शिकायतकर्ता है। ऐसे में इस मामले में ईडी के कूदने पर सवाल उठे हैं। यही वजह है कि कोर्ट ने ईडी की इस जांच पर रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु सरकार भी ईडी की कार्रवाई को संवैधानिक अधिकारों व संघीय ढांचे का उल्लंघन बताती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद ईडी केंद्र की इच्छाओं के अनुरूप आंख बंद कर कार्रवाई करने की बजाय अपनी कार्यशैली में अपेक्षित परिवर्तन करेगी।

राजनीतिक गरिमा और वक्तकी नजाकत का सवाल

ज्योति

पहलगाम में हुए नरसंहार के जवाब में भारत को पाकिस्तान पर दंडात्मक सैन्य कार्रवाई क्यों करनी पड़ी, दुनिया को यह समझाने के लिए भेजे जाने वाले बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने को लेकर जो माहौल बना है, उसमें निश्चित तौर पर शालीनता की कमी देखी गई। शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह ने इन प्रतिनिधिमंडलों में

शामिल होने के पीएम मोदी के आह्वान पर अपनी पार्टी, कांग्रेस से अलग होकर प्रतिक्रिया दी दृ कांग्रेस द्वारा सरकार को भेजी गई सूची में उनके नाम नहीं थे। इस पुरानी पार्टी को इस मुद्दे पर जिस प्रकार किरकिरी झेलनी पड़ गई। इसका पूर्वानुमान उसे होना चाहिए था। सोचा भी नहीं जा सकता कि राहुल गांधी की कांग्रेस वही कांग्रेस है, जिस पर कभी इंदिरा गांधी का राज रहा था। साल 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध करने से पहले के हफ्तों में, उन्होंने और उनके सबसे करीबी सहयोगियों ने कई महीनों तक कूटनीतिक अभियान चलाकर माहौल बनाया, ताकि पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में पैदा हुए मानवीय संकट को दुनिया के सामने रखा जा सके। साल 1994 की बात है, पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे और भारत को कश्मीर मुद्दे पर जेनेवा में मानवाधिकार परिषद में आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था दृ तब राव ने अटल बिहारी वाजपेयी को फोन करके पूछा कि क्या वे भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। भारत के संसदीय इतिहास में वह क्षण एक तरह से राजनीतिक किंवदंती के रूप में याद किया जाता है दृ 1994 में उप विदेश मंत्री रहे सलमान खुर्शीद, जो कोई भी उनसे मिलने आता, उसे यह बताने में कभी नहीं चूकते कि वाजपेयी के साथ काम करना कितना सहज है। साल 2018 में वाजपेयी के निधन के बाद खुर्शीद ने द प्रिंट नामक वेबसाइट को बताया रू 'हमें एक–दूसरे को मनाने की या बहस करने की कभी जरूरत नहीं पड़ी। सहज रूप से हमारी सोच एक–सी थी और वे (वाजपेयी) बहुत कमाल के इंसान थे३उनके पास वह 'मखमली स्पर्श' था, जो एक प्रेरक नेता होने के लिए चाहिए।' अब बहुत से लोग मोदी पर 'मखमली स्पर्श' विहीन होने का आरोप नहीं लगा सकते। निश्चित रूप से, मोदी का तरीका अपना संदेश सपाट रूप से संप्रेषित करने का है। होना तो यह चाहिए था कि मोदी फोन उठाकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कॉल करते और उनसे कहते रू 'भाई, मैं सोच रहा हूं कि भारत को इस घड़ी एक स्वर में दुनिया को बताना चाहिए कि पाकिस्तान के अंदर क्या चल रहा हैय किस प्रकार हमारा यह पड़ोसी मुल्क कट्टरता और आतंकवाद का इस्तेमाल कर खेल कर रहा हैय तिस पर यह ध ामकी कि कुछ करके देखो परमाणु हथियार चला दूंगा, एक ऐसा खतरनाक घालमेल जिसके सामने किम जोंग उन जैसा भी फीका पड़ जाए।' दुर्भाग्यवश, राष्ट्रहित में अहंकार और राजनीतिक मतभेद भुलाकर काम करने की क्षमता का प्रदर्शन करने वाला इस प्रकार का आह्वान इन दिनों संभव नहीं है। राजनीति के क्षेत्र में शालीनता की कमी ही अब इसकी पहचान बन चुकी है। कोई भी पक्ष दूसरे का सम्मान नहीं करता। पीएम मोदी का मानना है कि राहुल लोगों से कटे हुए वंशवादी नेता हैं, जिसे सीखने से परहेज है और बदतर यह कि पार्टी उन्हें हटा भी नहीं सकती, भले ही उनके नेतृत्व तले कांग्रेस चुनाव–दर –चुनाव हारती जा रही हो। उधर राहुल का मानना है कि पीएम मोदी लोकतांत्रिक संस्थाओं के सबसे बड़े विध्वंसक हैं। सार्वजनिक मंचों से दोनों एक–दूसरे की बेइज्जती करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जब वे एक–दूसरे से भिड़ नहीं रहे होते, तब उनके करीबी सहयोगी यह कमी पूरी करते हैं। देश के दो शीर्ष नेताओं के बीच ताने, कटाक्ष, सरासर बेइज्जती करना दृ यह सब देखना सुखद नहीं। सब जानते हैं कि राजनीति कोई पिकनिक नहीं और न ही अब वह जमाना है कि कोई एक मारे तो दूसरा गाल आगे कर देना इसकी प्रमुख धारणा हो। लेकिन इंदिरा गांधी और नरसिम्हा राव, दोनों ही समझते थे कि विदेश नीति एक व्यापक इंद्रधनुष है, जो हमारे जीवन के विभिन्न रंगों को खुद में समाहित करने में सक्षम है। भले ही कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने प्रमुख सांसदों को सीधे आमंत्रित करने को सियासी खेल करने के रूप में लिया हो, लेकिन वह इसे हज्म करते हुए प्रधानमंत्री से कह सकती थी कि विश्व को भारत का पक्ष समझाने में कांग्रेस भारतीय प्रयासों की– भाजपा के नहींदृ बराबर की सहयोगी बनेगी। राहुल का तरीका यह है कि जन–जन तक अपनी पहुंचाने के लिए वे बहुत दिलचस्प मुद्दे उठाते रहते हैं, मसलन जातिवार जनगणना। हिंदी पट्टी की राजनीति की प्रकृति को समझते हुए प्रधानमंत्री को इस मांग को मानने के लिए मजबूर होना पड़ा दृवैसे भी इस साल के अंत में बिहार में विध ानसभा चुनाव होने हैं। यह श्रेय पूरी तरह राहुल को जाता है कि उन्होंने मोदी को इस किस्म की कवायद की जरूरत स्वीकार करने के लिए मजबूर कर दिया। शायद राहुल को विश्वास हो चला है कि वे सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर भी सफाई देने के लिए मजबूर कर देंगेदृ यह पूछकर कि भारत ने कितने विमान खोएय भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता के लिए'ट्रंप को क्यों बीच में डाला गया'यशेष दुनिया में कोई एक देश भी क्यों खुलकर भारत के समर्थन में खड़ा क्यों नहीं मिला? बकौल राहुल यह 'भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई' का नतीजा है। लेकिन क्या ऐसा ही है? भगवान जाने कि क्या पूरा देश वही जानना चाहता है, जो राहुल जानना चाहते हैं। लेकिन सभी राजनेताओं को समय की नजाकत की समझ होनी चाहिए। फिलहाल तो जनता का मूड यही है कि पहलगाम में हुए नरसंहार का बदला लिया जाए। यह संदेश कि भारत निर्दोष लोगों की हत्या को और बर्दाश्त नहीं करेगा, पूरी तरह से दिया जा चुका है– रहीम यार खान एयरबेस के रनवे को बींधकर रख देना, पाकिस्तान के रणनीतिक कमांड से कुछ ही दूरी पर स्थित सरगोधा और नूर खान हवाई अड्डे पर बमबारी करनादृ इनमें निहित ऐसे कई संदेश हैं जिनसे बाकी दुनिया को अवगत कराना बाकी है। जहां तक यह सवाल कि क्या ट्रंप ने भारत–पाक संघर्ष में 'मध्यस्थता' की और क्या भारत को इसे अपनी बेइज्जती मानना चाहिए कि उनके विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 10 मई की सुबह अपने भारतीय और पाकिस्तानी समकक्षों को एक के बाद एक कई फोन किए दृ तो, अब समय आ गया है कि भारतीय राजनीतिक वर्ग बुनियादी विदेश नीति का एक छोटा–सा पाठ सीख ले। तथ्य यह है कि दुनिया के नेता हमेशा एक–दूसरे के संपर्क में रहते हैं। कई लोग शायद इस बात से चिंतित थे कि कहीं भारत के हमले ऐसे मोड में न तब्दील हो जाएं, जो भगवान न करे, एक 'परमाणु फ्लैश पॉइंट' बन जाए। यह शायद सच है कि जब 7 मई को टकराव शुरू हुआ, तब भारत ने पाक के एयरबेसों पर हमला करने के बारे में नहीं सोचा था दृ यह 8 मई को पाकिस्तान द्वारा बारामूला से लेकर भुज तक ड्रोनों– मिसाइलों से हमलों के जवाब में करना पड़ा, जिसमें आदमपुर भी शामिल था। स्वाभाविक है कि चिंतित हुए वैश्विक नेता ऐसे पलों में भारत और पाकिस्तान के नेताओं को फोन करके शांति बनाने को कहते दृ क्या आप भी ऐसा नहीं करते, यदि दोनों आपके दोस्त होते? लेकिन यह भी तथ्य है कि जब तक ट्रंप के सहयोगी पूरी तरह हरकत में आते, तब तक भारतीय वायु सेना अपना काम निबटा चुकी थी। कुछ घंटों बाद, पाकिस्तानी डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन किया और शांति स्थापना की गुहार लगाई। राहुल ने जो भी सवाल उठाए हैं, उनका भी समय आएगा। इस बीच, यहां देखें कि उनके साथी कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने मोदी के निमंत्रण पर 'हामी' भरने वाले अपने ट्वीट में क्या कहा है, जिसमें उन्होंने 1975 की फिल्म 'आक्रमण' के गीत के इस एक मुखध्ड़े का हवाला देते हुए पुष्टि की कि वे ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनना चाहेंगे रू 'देखो वीर जवानों अपने खून पर ये इल्जाम न आए, मां न कहे कि मेरे बेटे वक्त पड़ा तो काम न आए।' तिवारी, थरूर, सिंह और खुर्शीद भले ही हमारे वक्त के 'अमर, अकबर, एंथनी' हों या न हों, लेकिन उन्होंने अपने–अपने तरीके से शेष देश को राह दिखाई है।

जड़ों से उखड़े लोगों को फिर से बसाने की चुनौती

सुरेश

पिछले दिनों ऑपरेशन सिंदूर ने पहलगाम आतंकी की विधवाओं और आतंकवाद से लड़ते शहीद हुए जवानों की विधवाओं का दर्द कम करने और अनाथ हुए बच्चों को संबल देने की कोशिश की। सत्ता से जुड़ी आवाजें दावा करती हैं कि प्रतिकार हो गया, आततायियों को सबक सिखा दिया गया। लेकिन उन लोगों के दर्द का क्या, जो सरहद के गांवों से विस्थापित होकर अपने घर–बार समेट कर अनजाने ठिकानों की ओर चल पड़े? पंजाब की सीमाओं पर तो ऐसे खेत भी हैं जो आधे हिस्से में सरहद के पार चले जाते हैं। कहीं फसलें समय से पहले काट ली गईं, और जहां नहीं काटी जा सकीं, वहां न केवल फसलें तबाह हुईं, जिससे किसानों की मेहनत भी मिट्टी में मिल गई। उखड़ना और फिर से बसनाकृशायद यही इन लोगों की नियति बन गई है। युद्धविराम के बाद कुछ सरहदी गांवों के लोग जब लौटे, तो उन्हें तबाही का मंजर देखना पड़ा। इस हिंसा के साथ एक और डरावना पहलू भी जुड़ा थाकृआतंकी और माफिया गिरोहों की हिंसा, जिन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी गैर–कानूनी गतिविध ियों का जाल फैला रखा है। ये लोग दिनदहाड़े लूटमार करते हैं और लोगों को उनके अपने घरों में ही पराया बना देते हैं। बाढ़, तूफान और हिंसक घटनाएं आम लोगों के जीवन का कटु सत्य बन चुकी हैं। कुल मिलाकर, जो लोग दुर्भाग्यवश अपनी जड़ों से उखड़ गए हैं, उनकी संख्या लाखों तक पहुंच चुकी है। ये विस्थापन न केवल युद्ध और आतंकवाद के कारण हुआ, बल्कि जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और भूमि–क्षरण जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने भी इस त्रासदी को बढ़ाया। किसान सिर्फ शांति का इंतजार नहीं करताय वह अपनी फसल के लिए समय पर पानी और कटाई ।

.... विविध ....

24 घंटे कुछ न खाने से होते हैं शरीर में पॉजिटिव चेंज

इंटरमिटेंट फास्टिंग यानी सीमित समय के लिए भोजन से परहेज करना, आजकल सेहत को लेकर एक चर्चित विषय बना हुआ है। खासकर जब बात 24 घंटे तक कुछ न खाने की हो, तो यह सवाल उठता है दृ क्या इससे सिर्फ वजन ही नहीं घटता, बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर से भी बचाव हो सकता है? इस सवाल का जवाब जानने से पहले यह समझना जरूरी है कि शरीर में 24 घंटे भूखे रहने से क्या बदलाव होते हैं, और यह कैसे हमें बीमारियों से बचा सकता है।

क्या होता है 24 घंटे फास्टिंग में?

जब आप लगातार 24 घंटे तक कुछ नहीं खाते, तो यह इंटरमिटेंट फास्टिंग का ही एक रूप होता है। इस दौरान शरीर को बाहर से ऊर्जा नहीं मिलती, तो वह अंदर जमा ग्लूकोज और फैट को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने लगता है। इसी प्रक्रिया में शरीर में ऑटोफैजी नाम की एक प्राकृतिक सेल क्लीनिंग प्रक्रिया सक्रिय होती है।

क्या है ऑटोफैजी?

ऑटोफैजी एक ऐसा जैविक सिस्टम है जिसमें हमारी कोशिकाएं खुद को साफ करती हैं कृ यानी पुराने, खराब या बेकार हिस्सों को तोड़कर उन्हें फिर से नए सेल्स के निर्माण में इस्तेमाल करती हैं। जापान के वैज्ञानिक योशिनोरी ओसुमी ने इस पर गहन रिसर्च की थी, और उन्हें इसके लिए 2016 में नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने बताया था कि

ऑटोफैजी प्रक्रिया

कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोक सकती है। न्यूरोलॉजिकल बीमारियों (जैसे अल्जाइमर, पार्किंसंस) से भी बचाव कर सकती है।

फास्टिंग और सूजन में कमी

फास्टिंग करने से शरीर में सूजन के संकेतक जैसे और प्स–6 में कमी आती है। सूजन यानी प्दसिंउउंजपवद को आज हार्ट डिजीज, कैंसर, डायबिटीज और ब्रेन डिजीज का बड़ा कारण माना जाता है। ऐसे में इसे नियंत्रित करना सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

फास्टिंग के अन्य फायदे

ब्लड शुगर कंट्रोल करता है – जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है, और यह कुछ प्रकार के कैंसर से भी जुड़ा है

वजन घटाने में मददगार – शरीर जमा फैट को एनर्जी में बदलता है

दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ाता है –फोकस, मेमोरी और एकाग्रता में सुधार होता है

क्या फास्टिंग से कैंसर का खतरा कम हो सकता है?

रिसर्च बताती है कि फास्टिंग से शरीर में कैंसर सेल्स के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। जर्मनी और इटली के वैज्ञानिकों (जैसे डॉ. वाल्टर लोंगो) ने अपनी स्टडी में यह पाया कि इंटरमिटेंट फास्टिंग कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोक सकती है। अध ययन में कहा गया कि फास्टिंग लिम्फोमा (एक प्रकार का कैंसर) के विकास को रोक सकता है। 24 घंटे तक फास्टिंग करना यानी कुछ न खाना शरीर के लिए कई मायनों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

यह न सिर्फ वजन घटाने और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है, बल्कि शरीर में ऑटोफैजी जैसी प्रक्रिया को एक्टिव कर, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से भी सुरक्षा दे सकता है।

हालांकि, किसी भी तरह की फास्टिंग या डाइट को अपनाने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए, खासकर अगर आपको पहले से कोई बीमारी है।

कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद 19 साल की इन्फ्लुएंसर ने तोड़ा दम, शोक में डूबे फैंस

अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में रहने वाली 19 वर्षीय टिकटॉक इंफ्लुएंसर एना ग्रेस फेलन का 23 मई 2025 को निधन हो गया। वह पिछले आठ महीनों से ब्रेन कैंसर की एक गंभीर किस्म से लड़ रही थीं, जिसका नाम ग्लियोब्लास्टोमा है। एना ने अपनी बीमारी की पूरी कहानी टिक टॉक के जरिए दुनिया के साथ शेयर की थी। उन्होंने बताया था कि उन्हें एक साल पहले ग्रेड 4 डिफ्यूज मिडलाइन ग्लियोमा नाम का ब्रेन ट्यूमर हुआ है जो बहुत ही खतरनाक और लाइलाज होता है। उनकी यह सच्चाई और बहादुरी लोगों के दिलों को छू गई। उनके वीडियो देखने और उनसे जुड़ने वाले लोगों की संख्या बढ़ती गई और उनके 1.5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स बन गए।

परिवार ने दी निधन की जानकारी

24 मई को, एना के आधिकारिक टिकटॉक पेज पर एक पोस्ट के जरिए उनके निधन की पुष्टि की गई। यह पोस्ट उनके परिवार की ओर से की गई थी। पोस्ट में लिखा गया,"यह बताते हुए हमें बहुत दुख हो रहा है कि हमारी प्यारी बेटी, एना ग्रेस फेलन अब प्रभु यीशु मसीह के पास चली गई है। आप में से कई लोगों ने उसकी कैंसर के साथ लड़ाई को देखा और उसके मजबूत विश्वास के गवाह बने।"

लोगों का प्यार और प्रार्थनाएं बनीं ताकत

एना के परिवार ने आगे कहा कि उन्हें सभी की प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं के लिए दिल से धन्यवाद है। "ट्रीटमेंट और शांति के लिए की गई हजारों प्रार्थनाओं का हम आभार मानते हैं। अब हमें इस बात से राहत है कि वह स्वर्ग में हैं, जहां अब वह पूरी तरह ठीक हो गई हैं।"

इलाज के लिए मांगी गई मदद

अपने इलाज के लिए एना और उनके परिवार ने ळवथ्नदकडम पर एक कैंपेन भी शुरू किया था। इस कैंपेन का लक्ष्य 1 लाख डॉलर जुटाने का था, लेकिन इसमें 66,030 डॉलर ही एकत्र हो पाए। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए लोगों से आर्थिक मदद की अपील की थी ताकि एना को बेहतर इलाज मिल सके।

निजी जिंदगी और धार्मिक जुड़ाव

एना ने जॉर्जिया के जेफरसन शहर में अपनी हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी की थी। पढ़ाई के बाद वह एक मेडिकल क्लिनिक में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करती थीं। वह एक ईसाई परिवार से थीं और अपने स्थानीय चर्च से भी जुड़ी हुई थीं। उनकी आस्था बहुत मजबूत थी, और उन्होंने हमेशा यीशु में विश्वास रखा।

परिवार ने बताया कि एना का अंतिम संस्कार 29 मई 2025 को जॉर्जिया के गैलिली क्रिश्चियन चर्च में किया जाएगा। इसके बाद उन्हें वहीं के कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा। उनके पीछे माता–पिता विलियम 'बडी' फेलन और नादिन फेलन, भाई हार्पर डेविड फेलन और कई परिजन शोक में हैं।

ब्लड प्रेशर का रामबाण इलाज हैं ये 3 फूड्स, ही करें डाइट में शामिल

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए तीन महत्वपूर्ण चीजें होती हैं सही डाइट, एक्सरसाइज और डॉक्टर द्वारा दी गई दवाएं। डॉक्टर के बताए नियमों का पालन करते हुए अपनी डाइट में हेल्दी फूड शामिल करना फायदेमंद होता है। इससे ब्लड प्रेशर को बेहतर तरीके से कंट्रोल किया जा सकता है। शोध बताते हैं कि ब्लड प्रेशर कंट्रोल के लिए कुछ खास हेल्दी फूड्स को अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। लेकिन वह ये भी साफ करते हैं कि ये फूड्स दवाओं का विकल्प नहीं हैं बल्कि दवाओं के साथ इन्हें अपनाना चाहिए।

डार्क चॉकलेट से ब्लड प्रेशर पर फायदा

डार्क चॉकलेट का कभी–कभार सेवन ब्लड प्रेशर और उससे जुड़ी गंभीर बीमारियों से बचाव कर सकता है। डार्क चॉकलेट में मैग्नीशियम और फ्लेवनॉल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये दोनों तत्व शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड को बढ़ावा देते हैं, जो ब्लड वेसल्स को आराम देता है। इसलिए, कम से कम 70 प्रतिशत कोको वाली डार्क चॉकलेट चुनें और सीमित मात्रा में इसका सेवन करें।

चुकंदर ब्लड प्रेशर के लिए बेहतरीन

चुकंदर भी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद ऑर्गेनिक नाइट्रेट शरीर में जाकर नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाता है। यह नाइट्रिक ऑक्साइड ब्लड वेसल्स में फैलकर ब्लड फ्लो (रक्त प्रवाह) को बेहतर बनाता है। आप चुकंदर को जूस, सलाद या सब्जी के रूप में अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। अगर रोजाना चुकंदर का सेवन करेंगे तो आपका हार्ट लंबे समय तक हेल्दी रहेगा और आप स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों से भी बचेंगे।

केला– हर मौसम में उपलब्ध ा और फायदेमंद

केला एक ऐसा फल है जो हर मौसम में आसानी से मिल जाता है। यह पोटेशियम से भरपूर होता है, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करता है। पोटेशियम किडनी में मौजूद अतिरिक्त सोडियम को बाहर निकालने में मदद करता है। सोडियम की अध िकता ब्लड प्रेशर बढ़ाती है, इसलिए केला इसके नियंत्रण में सहायक होता है। आप केले को स्मूदी में डालकर पी सकते हैं या फिर सीधे नाश्ते के तौर पर खा सकते हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के लिए संतुलित जीवन शैली जरूरी

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए सिर्फ दवाओं पर भरोसा करना सही नहीं है। सही डाइट के साथ रोजाना एक्सरसाइज करना और तनाव से दूर रहना भी जरूरी है। गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखना और नमक का सेवन संतुलित रखना भी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

गर्मी के मौसम में ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ सकती है, इसलिए सावधानी बरतना जरूरी है। साथ ही डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाओं का सेवन करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। इस तरह आप अपनी सेहत को बेहतर बनाए रख सकते हैं और गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं।

चिपचिपी गर्मी के साथ जारी है नौतपा, इस साल चार दिन पहले प्रदेश में दस्तक देगा मानसून

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में तेज हवाओं और बूंदाबांदी के असर से तपिश भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसमी बदलाव से 25 मई से नौ दिनों के लिए शुरू हो रहे नौतपा के पहले दिन, प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में कहीं भी लू की परिस्थितियां नहीं रहीं।हालांकि पूर्वा हवाओं में प्रयाप्त मात्रा में नमी की वजह से उमस भरी चिपचिपी गर्मी बरकरार है। मौसम विभाग का कहना है कि इस बार 25 मई से 2 जून के बीच लगने वाले नौतपा के दौरान तपिश और गर्मी मध्यम दर्जे वाली रहने के संकेत हैं। नौतपा के दूसरे दिन सोमवार को दिन की शुरुआत चिपचिपी गर्मी के साथ हुई। अवध और उसके आसपास के इलाकों में धूप दिखी। हालांकि कुछ जगहों पर हल्के बादल की खबरें आईं। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए प्रदेश के पूर्वी, तराई और वाराणसी मंडल में तेज हवाएं चलने और कहीं कहीं गरज चमक के साथ वज्रपात की संभावना जताई है। रविवार को पश्चिमी यूपी के ज्यादातर इलाकों में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की तेज हवाओं के साथ दिल्ली एनसीआर से सटे जिलों नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, मेरठ समेत अगरा, अलीगढ़, बरेली, सहारनपुर में हल्की से मध्यम बारिश हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार से अगले तीन दिन तराई और पूर्वी इलाकों में नमी युक्त पूर्वा हवाओं के साथ बादलों का आना—जाना बना रहेगा। वहीं तराई और दक्षिणी यूपी के इलाकों व वाराणसी में कहीं कहीं बूंदाबादी की परिस्थितियां बन सकती हैं। यहां है वज्रपात होने की संभावना चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं एवं आसपास के इलाकों में।

जारी रहेगी उमस भरी गर्मी, बारिश की उम्मीद कम

राजधानी में उमस भरी चिपचिपी गर्मी सोमवार को भी जारी रहने वाली है। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार को यहां बादलों की आवाजाही तो रहेगी लेकिन बूंदाबांदी के आसार कम हैं। हवा में मौजूद नमी की वजह से हो रही उमस भरी आभासी गर्मी वास्तविक गर्मी से ज्यादा महसूस हो रही है। दिन के पारे में हुई हल्की गिरावट का भी कोई खास असर नहीं पड़ा। हवा में सापेक्षिक नमी 72 प्रतिशत तक पहुंचने के बावजूद बूंदाबांदी नहीं हुई। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिन मौसम का मिजाज ऐसा ही रहने वाला है। हालांकि मई में सामान्यतया होने वाली तपिश से फिलहाल राहत है और 25 मई से नौ दिनों के लिए शुरू हो रहे नौतपा के पहले दिन सोमवार को भी तपिश नहीं रही। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 0.9 डिग्री की गिरावट के साथ 37.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात का पारा 0.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़त के साथ 27.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

परिवार कल्याण महानिदेशालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी, कार्यालय कराया गया खाली जांच जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को वजीरगंज स्थित परिवार कल्याण महानिदेशालय को मेल के जरिये बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जानकारी मिलते ही अधिकारी व कर्मचारी दफ्तर से बाहर निकल आए। सूचना पर पहुंची पुलिस और बम स्क्वायड टीम जांच में जुट गई है। परिवार कल्याण महानिदेशालय का कार्यालय जगत नारायण रोड पर स्थित है। दोपहर करीब 1:30 बजे डीजी को एक मेल आया। मेल में कार्यालय को बम से उड़ाने की बात लिखी थी। इससे वहां अफरा—तफरी मच गई। डीजी ने कार्यालय में मौजूद

लोगों को बाहर निकलने के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही सभी लोग आनन—फानन बाहर निकल गए। मामले की जानकारी वजीरगंज पुलिस को दी गई। इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ कार्यालय पहुंचे। पुलिस ने बम स्क्वायड टीम को भी बुलाया। इंस्पेक्टर ने बताया कि बम स्क्वाड टीम पूरे कार्यालय परिसर की जांच कर रही है।

चुनाव में हार के बाद पहली बार अमेठी पहुंचीं स्मृति ईरानी, पालपुर में पीड़ित परिवार से मिल व्यक्त किया शोक

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचीं। लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद यह उनका पहला दौरा था। लखनऊ एयरपोर्ट से रवाना होकर

लखनऊ—वाराणसी हाईवे होते हुए जैसे ही वह जिले की सीमा में दाखिल हुईं, कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा। इनहौना कस्बा से लेकर उतेलवा मोड़, जगदीशपुर चौराहा और अन्य स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल—मालाओं और बुके के साथ उनका स्वागत किया। समर्थक घंटों सड़क किनारे खड़े रहकर उनके आगमन की प्रतीक्षा करते रहे। जैसे ही काफिला उनके समीप पहुंचा, फूलों की वर्षा के साथ कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। स्मृति ईरानी कई स्थानों पर वाहन से उतरकर लोगों से मिलीं। उनका हालचाल लिया। कक्षा पांच के छात्र ने स्मृति ईरानी को उनका छायाचित्र भेंट किया उतेलवा मोड़ पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राघवेंद्र तिवारी अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहे। जबकि, जगदीशपुर चौराहे पर राजेश्वर प्रताप सिंह ननके, सोनू यज्ञसेनी, डॉ. प्रज्ञा बाजपेई, सुनील सेठ समेत बड़ी संख्या में लोगों ने जोश के साथ स्वागत किया। इस दौरान कक्षा पांच के छात्र सिद्धांत त्रिपाठी ने स्मृति ईरानी को उनका छायाचित्र भेंट किया।

गंगा में डूबने से परिवार के तीन लोगों की मौत

इसके बाद वह जगदीशपुर क्षेत्र के पालपुर गांव पहुंची। यहां उन्होंने चंद्र कुमार कौशल के परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। कहा कि इस दुख की घड़ी में वह परिवार के साथ हैं। साथ ही आपदा राहत के तहत परिजनों को जल्द ही चार—चार लाख रुपये की सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिया। बताते चलें एक दिन पहले रविवार को पालपुर गांव निवासी चंद्र कुमार कौशल (60), भाई बाल चंद्र कौशल (42) और भतीजे अर्यांश (13) की गंगा में डूबने से मौत हो गई थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री गौरीगंज स्थित रणंजय इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती गोष्ठी में शामिल होंगी। वहां वह एक जनसभा को संबोधित करेंगी। आयोजन को लेकर प्रशासन और कार्यकर्ताओं ने व्यापक तैयारियां की हैं। दूसरी तरफ पूर्व कैबिनेट मंत्री के दौरे को देखते हुए सुबह यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष शुभम सिंह को पुलिस ने उनको हाउस अरेस्ट में रखा। शुभम ने पुलिस की इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। कहा कि जगदीशपुर क्षेत्र के नदी में डूबने से परिवार के तीन लोगों की मौत पर वह कौशल परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें वहां जाने से रोक दिया।

संक्षिप्त समाचार

शहर कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी जल्द होगी घोषित

लखनऊ, (संवाददाता)। शहर कांग्रेस कमेटी लखनऊ उत्तरी की कार्यकारिणी जल्द ही घोषित की जाएगी। वार्ड और बूथ स्तर पर भी कार्यकर्ताओं टीम रहेगी। यह जानकारी रविवार को शहर कांग्रेस कमेटी उत्तरी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी ने शहर कार्यालय में हुई संगठन सृजन बैठक में दी। प्रदेश कांग्रेस की ओर से नियुक्त किए गए संयोजक अनिल यादव व संजीव पांडेय प्रमुख रूप से मौजूद थे। बैठक में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तरी क्षेत्र की कार्यकारिणी का गठन पूरा हो गया है। प्रदेश नेतृत्व के अनुमोदन के बाद कमेटी की घोषणा की जाएगी। मंडल, वार्ड और बूथ स्तर भी संगठन बनाया जा रहा है। इस दौरान पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, नितिन शर्मा, प्रमोद सिंह, किश्वर जहां, नीरज श्रीवास्तव सहित तमाम कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

दंपती का विवाद सुलझाने के लिए लगी पंचायत में मारपीट

लखनऊ, (संवाददाता)। दुबग्गा में रविवार को बाजनगर पशु बाजार में दंपती के विवाद में समझौता कराने के लिए पंचायत बुलाई गई थी। इस दौरान बात बढ़ गई और दोनों पक्षों में जमकर लाठी—डंडे चले। पुलिस ने लड़की पक्ष के सात लोगों को खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दोनों पक्षों से कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया। हरदोई के संडीला के कासिमपुर निवासी मजीद की बेटी का निकाह सालभर पहले पारा के बुद्धेश्वर निवासी साकिर के बेटे से हुआ था। दंपती में किसी बात पर विवाद हो गया था। इंस्पेक्टर अभिनव वर्मा के मुताबिक पंचायत पशु ठेकेदार ने बुलाई थी। उसकी भूमिका की जांच की जा रही है। साकिर की तहरीर पर लड़की के पिता मजीद, शमीम, इकबाल, सहाबू, इकबाल, पप्पू और गुड्डू पर हत्या का प्रयास व अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पंचायत में दोनों पक्षों से करीब 150 लोग पहुंचे थे।

दिनदहाड़े फिल्मी अंदाज में प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग, भागे हमलावर

लखनऊ, (संवाददाता)। गाजीपुर के सर्वोदयनगर इलाके में रविवार शाम प्रॉपर्टी डीलर मुर्सलीन पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग फिल्मी अंदाज में की गई थी। तीन एसयूवी सवार हमलावरों ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देकर शहर की कानून—व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि भीड़भाड़ वाले इलाके में हमलावर खुलेआम असलहे लेकर घूमते रहे और पुलिस को भनक तक नहीं लगी। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घटना का एक 1रू46 मिनट का वीडियो सामने आया है, जिसमें दो काली और एक सफेद एसयूवी तेज रफ्तार में घटनास्थल पर आती दिखती हैं। गाड़ियां रुकते ही हमलावरों ने दरवाजे खोलकर फिल्मी स्टाइल में प्रॉपर्टी डीलर पर हमला कर दिया। वीडियो में गोलियों की आवाज भी स्पष्ट रूप से सुनाई दे रही है। अचानक हुई इस फायरिंग से मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। महज चंद सेकंडों में वारदात को अंजाम देकर हमलावर मौके से भाग गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है ।

अवैध संबंधों में हुई थी युवक की हत्या, प्रेमिका व उसकी पति गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर के फर्रूखाबाद चिल्लावां निवासी अर्पित (21) की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। अर्पित की हत्या उसकी शादीशुदा प्रेमिका सुमन और उसके पति राजकुमार मौर्या उर्फ छोटू ने मिलकर की थी। आरोपी दंपती ने पहले अर्पित को नींद की गोलियां देकर बेसुध किया, फिर तकिए से मुंह दबाकर उसकी जान ले ली। रविवार को पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत के अनुसार, अर्पित और तोपवन नगर निवासी सुमन के बीच दो साल से संबंध थे। सुमन दो बच्चों की मां है। जब उसके पति ई रिक्शा चालक राजकुमार को इस संबंध का पता चला तो दंपती में विवाद हुआ। इसके बाद अर्पित सुमन पर शादी का दबाव डालने लगा। सामाजिक बदनामी के डर से सुमन ने पति के साथ मिलकर अर्पित को रास्ते से हटाने की साजिश रची। 20 मई को सुमन ने अर्पित को अपने घर बुलाया और बीमारी का बहाना बनाकर उससे नींद की गोलियां मंगवाईं।

संक्षिप्त समाचार

अरघट्टा ने किया परेशान, गणित व रीजनिंग ने उलझाया

लखनऊ, (संवाददाता)। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा रविवार को राजधानी के 91 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की गई। पहली पाली का पेपर पिछले चार साल की अपेक्षा सरल रहा, लेकिन सिंचाई से जुड़े उपकरण अरघट्टा को लेकर पूछे गए सवाल ने विद्यार्थियों को चक्कर में डाल दिया। दूसरी पाली में गणित व रीजनिंग के सवालों ने परीक्षार्थियों को ज्यादा परेशान किया। इस बार सवालों के पैटर्न में बदलाव किया गया था। परीक्षार्थियों को बड़े सवालों का सामना करना पड़ा। कई परीक्षार्थियों की परीक्षा देरी से पहुंचने के चलते छूट गई। किसी केंद्र पर गड़बड़ी की शिकायत नहीं आई। पंजीकृत कुल 40026 अभ्यर्थियों में 14,270 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। पहली पाली में सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक हुई परीक्षा के बारे में अभ्यर्थियों ने बताया कि सवाल नंबर 13 में पूछा गया था कि सिचाई में अरघट्टा नामक उपकरण क्या था। इस शब्द को अधिकांश अभ्यर्थी नहीं समझ सके। वहीं, इस बार इकॉनमिक्स स्टॉक मार्केट से भी सवाल ज्यादा पूछे गए। इतिहास के सवाल सरल थे। वहीं, दूसरी पाली में दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक की परीक्षा में गणित व रीजनिंग के सवाल उलझाने वाले रहे। अभ्यर्थी राजन शुक्ला, क्षमा तिवारी, अर्जुन सिंह की परीक्षा छूट गई। प्रश्नों के पैटर्न में बदलाव से लगा समय अभ्यर्थी कुलदीप यादव ने बताया कि इस बार प्रश्नों के पैटर्न में बदलाव किया गया था। एक सवाल में तीन प्रश्नों को शामिल किया गया, इससे पहले दो सवाल पूछे जाते थे। सवालों की लंबाई बढ़ जाने से परीक्षार्थियों को जवाब देने में ज्यादा समय लगा। —पहली पाली में पूछा गया कि सिंचाई में उपयोग होने वाला उपकरण अरघट्टा क्या होता है। यह बहुत ही कठिन सवाल था। हमने पहली बार ये नाम सुना। ज्यादातर अभ्यर्थियों की यही स्थिति रही। दूसरी पाली में गणित के सवाल कठिन थे। —हमने अरघट्टा के बारे में नहीं सुना था। इस बार इंडियन जियोग्राफी से कम सवाल पूछे गए हैं। इकॉनमिक्स में स्टॉक मार्केट से जुड़े ज्यादा सवाल पूछे गए हैं। चार सालों की अपेक्षा में इस बार पेपर पहली पाली का सरल आया, दूसरी पाली में गणित व रीजनिंग के सवालों ने ज्यादा परेशान किया। कई सवाल घुमावदार थे। हमने पहली बार ये परीक्षा दी। जिस हिसाब से तैयारी की थी उससे पेपर बेहतर हुआ है। इकॉनमिक्स में स्टॉक मार्केट से जुड़े सवाल कठिन लगे। दूसरी पाली में फिजिक्स व मैथ के कुछ सवालों को हल करने में कठिनाई आई। हालांकि, इसके पहले के जो पेपर थे, उनमें इतने कठिन सवाल नहीं पूछे गए थे। प्रारंभिक परीक्षा का प्रश्न पत्र 2023 की तुलना में आसान था और सीसैट (पेपर 2) कठिन था। प्रश्नपत्र में करंट अफेयर्स की तुलना में अवधारणाओं पर अधिक जोर दिया गया था। वर्ष 2022 की अपेक्षा कठिन थे। प्रश्नों का स्तर मध्यम से कठिन था, विशेषकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और पारिस्थितिकी जैसे विषयों में प्रश्नपत्र का स्तर कठिन था। प्रश्नपत्र मध्यम स्तर का था। इतिहास व अर्थव्यवस्था के प्रश्न थोड़ा कठिन थे, जबकि सीसैट पेपर में तर्क और संख्यात्मक क्षमता के प्रश्न भी मध्यम स्तर के थे। परीक्षा कठिन थी, लेकिन सभी विषयों में संतुलन था। सामान्य अध्ययन प्रथम पेपर में समसामयिक मामले, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र व राजनीति से संबंधित प्रश्न घुमाकर पूछे गए थे, जिससे कुछ उम्मीदवारों को कठिनाई हुई थी।

बिजलीकर्मी 29 मई से हड़ताल पर आमादा, संगठनों ने कहा- मगर उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत नहीं आने देंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। निजीकरण को लेकर बिजली अभियंताओं व अन्य कार्मिकों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। रविवार को विभिन्न संगठनों की बैठक में एकजुटता का संकल्प लिया गया। तय किया गया कि विरोध प्रदर्शन और कार्य बहिष्कार जारी रखा जाएगा। पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन के साथ पूर्ण असहयोग रहेगा, लेकिन उपभोक्ताओं को दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। संगठनों ने आरोप लगाया कि कॉर्पोरेशन प्रबंधन उनके विरोध प्रदर्शन को हड़ताल में बदलने के लिए विवश कर रहा है, जबकि उन्होंने अभी हड़ताल का नोटिस नहीं दिया है। राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ केंद्रीय कार्यकारिणी की रविवार को फील्ड हॉस्टल में हुई बैठक में तय किया गया कि 26 मई से कार्यालय समय के बाद विद्युत अभियंता प्रबंधन के साथ पूर्ण असहयोग करेंगे। इसके तहत किसी भी बैठक, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में हिस्सा नहीं लेंगे, लेकिन उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत नहीं होने देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉर्पोरेशन प्रबंधन घाटे के भ्रामक आंकड़े प्रस्तुत कर और कार्मिकों में भय व दमन का वातावरण बनाकर गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। प्रबंधन की हर चाल का खुलासा किया जाएगा और किसी भी स्थिति में निजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। सेवा शर्तों के बारे में कॉर्पोरेशन प्रबंधन द्वारा दिए गए बयान को पूरी तरह से भ्रामक बताया गया।

तीनों विकल्पों को किया खारिज

संगठनों ने कहा कि तीनों विकल्प अभियंताओं की सेवा—शर्तें पूरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। इसलिए संघ इन विकल्पों को खारिज करता है। इस दौरान उत्पादन निगम के अध्यक्ष को पत्र भेजकर निगम के जीएम (एचआर) एके सेठ पर दमनकारी रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए उनके कृत्यों की जांच कराने और स्थानांतरण की मांग की गई।

26 मई से उपभोक्ताओं को साथ लेकर चलाएंगे आंदोलन

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की रविवार को हुई बैठक में तय किया गया कि निजीकरण के विरोध में चल रहे ध्यानाकर्षण आंदोलन से उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। 26 से 28 मई तक उपभोक्ताओं को साथ लेकर सभी जनपदों में आंदोलन चलाया जाएगा। 29 से कार्य बहिष्कार शुरू होगा। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों संजय सिंह चौहान, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडेय, महेन्द्र राय, पीके दीक्षित, सुहैल आबिद आदि ने कहा कि वे किसी भी कीमत पर उपभोक्ताओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते हैं। यही वजह है कि छह माह से शांतिपूर्ण आंदोलन चला रहे हैं। वे सिर्फ निजीकरण का विरोध कर रहे हैं।

संघर्ष समिति के साथ कदमताल करेगा जूनियर इंजीनियर संगठन

राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन की केंद्रीय कार्यसमिति की रविवार को हुई बैठक में तय किया गया कि निजीकरण के मुद्दे पर वे संघर्ष समिति के साथ हैं। दोनों ने ही पूर्वांचल एवं दक्षिणाचंल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में कॉर्पोरेशन प्रबंधन को ध्यनाकर्षण नोटिस दिया है। आगे से निजीकरण के विरोध में होने वाले सभी कार्यक्रम, विरोध सभा, संपर्क और प्रेसवार्ता सहित अन्य आंदोलनात्मक कार्यक्रम संघर्ष समिति के साथ करेंगे। बैठक में संघ के अध्यक्ष संजय चौहान, कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश कुमार यादव, महासचिव बलवीर सिंह यादव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मालूम हो कि जूनियर इंजीनियर्स संगठन के साथ शनिवार को पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के साथ बैठक हुई थी। इस दौरान चर्चा थी कि जूनियर इंजीनियर्स संगठन आंदोलन से दूर रहेगा।

सेवाएं प्रभावित न होने देने का संकल्प

अभियंताओं के विभिन्न संगठनों ने कहा कि वे अस्पताल, रेलवे, पेयजल आपूर्ति सहित सभी आवश्यक सेवाओं को बाधित नहीं होने देंगे। कॉर्पोरेशन प्रबंधन के निर्देश पर जल निगम के टैंकरों में पेयजल भरे जाने की तैयारी अनावश्यक तौर पर आम जनता में भय का वातावरण बनाने के लिए की जा रही है, जिसका निहित उद्देश्य हड़ताल थोप कर निजीकरण करना है।

प्रबंधन की चाल से किया सावधान, जिलेवार बनाई कमेटी

संघर्ष समिति की बैठक में बाद विभिन्न ऊर्जा संगठनों को मिलाकर जिले स्तर पर कमेटी गठित कर दी गई है। इनको संदेश भेजकर आगाह किया गया है कि कॉर्पोरेशन प्रबंधन

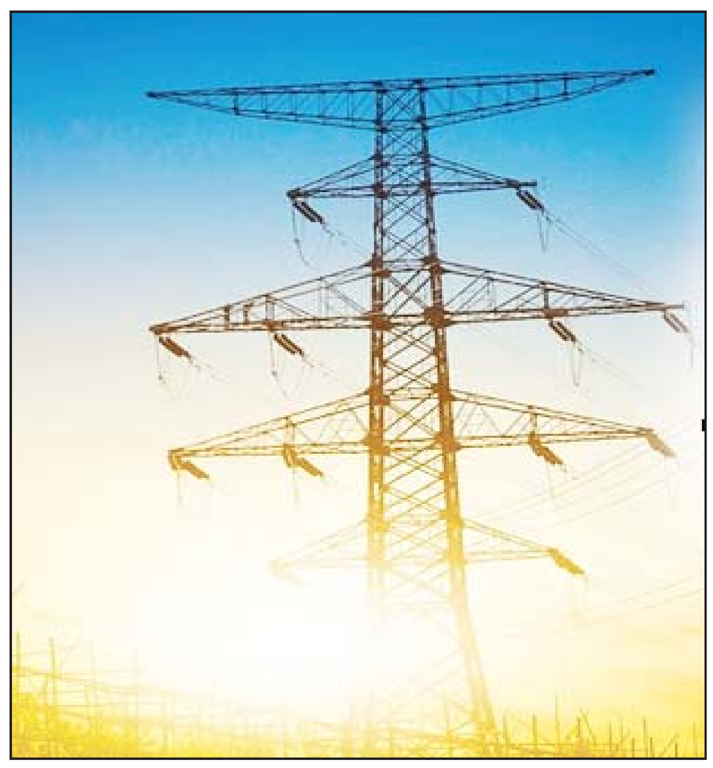

खुद जानबूझकर बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी करा सकता है। ऐसे में सावधान रहें, क्योंकि पूर्वांचल और दक्षिणांचल की निविदा हासिल करने वाली कंपनियों के लोगों ने लखनऊ में डेरा डाल रखा है। यह भी चर्चा है कि उनका पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन से लगातार संपर्क है। कमेटियों को यह भी निर्देश दिया गया कि किसी तरह के उसकावे में न आएं। जब तक संगठन की केंद्रीय कमेटी का निर्देश न हो तब तक अनावश्यक तौर पर हड़ताल की स्थिति न पैदा होने पाए।

सपा-कांग्रेस की बढ़ती दूरी से बसपा को सियासी फायदे की आस, इमरान मसूद के बयान ने बढ़ाई सरगर्मी

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद द्वारा समाजवादी पार्टी के बजाय बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन से अधिक फायदा

होने के बयान ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। कांग्रेस और सपा के साथ बसपा के नेता भी इमरान मसूद के बयान के सियासी निहितार्थ तलाशने में जुट गए हैं। जानकारों के मुताबिक कांग्रेस और सपा के बीच बढ़ती दूरी बसपा के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। हालांकि बसपा कांग्रेस का हाथ आसानी से नहीं थामेगी। दरअसल, कांग्रेस और सपा के नेताओं के बीच अक्सर बयानबाजी से गठबंधन समाप्त होने की अटकलें लगती रहती हैं। लोकसभा चुनाव के बाद एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी में इजाफा भी हुआ है। लोकसभा चुनाव में 6 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस प्रदेश में अपने पैर मजबूती से जमाने की कवायद में जुटी है, जिसके लिए सपा से ज्यादा बसपा फायदेमंद लग रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने बसपा को भी साथ जोड़ने की असफल कोशिश की थी। हालांकि बसपा ने बीते कई चुनाव अकेले दम पर लड़ कर साफ कर दिया है कि वह किसी भी दल के साथ गठबंधन करने के पक्ष में नहीं है। पार्टी सूत्रों की मानें तो बसपा आगामी पंचायत चुनाव से दूरी बनाकर रखेगी, ताकि डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत किया जा सके। बसपा सुप्रीमो मायावती पहले ही गठबंधन से पार्टी को फायदे की जगह नुकसान होने की बात कह चुकी हैं। वह अपने बयानों में कांग्रेस पर खासा हमलावर भी रहती हैं। गिरीश और मलूक सॉफ्ट, हाथी की चाल हो रही तेज दरअसल, कांग्रेस और सपा के बीच बढ़ती दूरी ने कई नेताओं की बेचौनी भी बढ़ा दी है। पूर्व बसपा सांसद गिरीश चंद्र पार्टी में वापसी कर चुके हैं तो हाल ही में आकाश आनंद को चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए जाने का स्वागत पूर्व बसपा सांसद मलूक नागर ने किया है।

गोंडा भाजपा जिलाध्यक्ष का आपत्तिजनक वीडियो वायरल, प्रदेश अध्यक्ष से शिकायत के बाद जारी हुआ नोटिस

लखनऊ, (संवाददाता)। गोंडा के भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप का एक महिला के साथ पार्टी कार्यालय में आपत्तिनजक वीडियो वायरल होने पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कश्यप को नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा है। बता दें कि रविवार को वायरल वीडियो में पार्टी के जिला कार्यालय में कश्यप को एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया है। इसकी जानकारी होने पर प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री व मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला ने अमर किशोर को नोटिस जारी किया है। जिसमें वीडियो के आधार पर उनके इस कृत्य को पार्टी की छवि के लिए नुकसानदेह और अनुशासनहीनता बताया गया है। साथ ही तय समय में स्पष्टीकरण न देने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। भाजपा कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज के दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इनमें से एक वीडियो में जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप बमबम सीढिध्यों के पास एक महिला के साथ नजर आ रहे हैं। कैमरे की रिकार्डिंग के अनुसार ये फुटेज 12 अप्रैल 2025 की रात 09रू39 बजे की है। भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर बमबम ने स्वीकार किया कि वीडियो में वह एक महिला कार्यकर्ता के साथ हैं। उन्होंने बताया कि बीते 12 अप्रैल को एक महिला कार्यकर्ता भोपतपुर से आई थी। स्टेशन से उसने फोन किया कि तबीयत खराब है। दो—तीन घंटे आराम करना है। हम मदद करने के लिए खुद अपनी गाड़ी से महिला को लेकर कार्यालय आए। सीढिध्यां चढ़ने पर महिला को चक्कर आ गया तो हमने सिर्फ उसकी मदद की। इस फुटेज को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। अमर किशोर का कहना है कि वीडियो वायरल करना एक राजनीतिक साजिश है। कुछ लोग हमारी मेहनत और कार्यशैली से परेशान होकर नीचा दिखाना चाहते हैं। वीडियो वायरल होने के मामले में प्रदेश अध्यक्ष को गुमनाम पत्र भेजा गया है। इसमें जिलाध्यक्ष की शिकायत करते हुए।

ज्येष्ठ मास के तृतीय मंगलवार पर भरवारा एसटीपी में सुंदरकांड और भंडारे का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ज्येष्ठ मास के तीसरे मंगलवार को, जिसे विशेष रूप से बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल के नाम से जाना जाता है, सुएज इन इंडिया द्वारा भरवारा एसटीपी प्लांट में भक्ति और सेवा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुंदरकांड पाठ के साथ विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सुएज इन इंडिया के प्लांट और कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे श्रद्धा भाव से सहभागिता की। धार्मिक मान्यता के अनुसार, ज्येष्ठ माह के मंगलवार को ही हनुमान जी की पहली भेंट भगवान श्रीराम से हुई थी। यही कारण है कि इस दिन को हनुमान–राम मिलन दिवस के रूप में उत्सवपूर्वक मनाया जाता है। यह परंपरा त्रेतायुग से जुड़ी हुई मानी जाती है। इस वर्ष का तीसरा बड़ा मंगल और भी विशेष बन गया क्योंकि इसी दिन

ज्येष्ठ अमावस्या, भौमवती अमावस्या और शनि जयंती भी एक साथ पड़ी, जिससे धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण और भी उल्लासपूर्ण हो गया। इस अवसर पर सुएज इन इंडिया के परियोजना निदेशक श्री राजेश मठपाल ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा, ष्हम सभी अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि हमें प्रभु श्रीराम और बजरंगबली की कृपा से इस तरह के पुण्य आयोजन करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। प्रभु का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे। कार्यक्रम में कर्मचारियों ने सेवा और भक्ति दोनों भाव से भाग लिया। सुंदरकांड पाठ और भंडारे के माध्यम से परिसर में श्रद्धा, समर्पण और सामाजिक सौहार्द्र का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

गरीबों की शिक्षा के प्रति सतत संघर्षशील रहे सुभाष यादव : विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा

कुशीनगर, (संवाददाता)। अपने सकारात्मक सोच की बदौलत समाज के लिए किये गए जनहित के कार्यों के चलते नश्वर शरीर त्यागने के बाद भी व्यक्ति लोगों के दिलों हमेशा रचा–बसा रहता है।जीवन में किए गए उसके सत्कर्म समाज को अभिसिंचित करते रहते हैं।ऐसे ही सामाजिक सोच के ध ानी व्यक्ति थे। श्रीकृष्ण इंटरमीडिएट कालेज के संस्थापक प्रधानाचार्य स्वर्गीय सुभाष यादव जिन्होंने अत्यंत पिछड़े क्षेत्र में विद्यालय की स्थापना कर गरीब बच्चों को शिक्षित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उक्त बातें फाजिलनगर के विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा ने जनपद के तमकुही विकास खंड के उजारनाथ में स्थित श्रीकृष्ण इंटरमीडिएट कालेज के प्रांगण में स्व0 प्रधानाचार्य सुभाष यादव की दूसरी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहीं।उन्होंने कहा कि इस पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा की ज्योति जलाने की देन है कि आज बालिकायें शिक्षित होकर पारिवारिक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं।राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षक सुनील त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन में स्व0 सुभाष यादव को शिक्षा के प्रति समर्पित विभूति बताते हुए कहा कि उनका योगदान हमेशा जीवन्त रहेगा।डी0 एन कुशवाहा, संजय मिश्रा आदि सभी वक्ताओं ने सुभाष यादव के कृतित्व व व्यक्तित्व की भूरि–भूरि प्रशंसा की।अजय गिरी व मैतुल मस्ताना ने भजन प्रस्तुत किया।इस अवसर पर राजेश शर्मा,आनन्द यादव,उपेन्द्र श्रीवास्तव, रामकृपाल कुशवाहा,अक्षयवर राय, रामाश्रय गिरी व शिवबहादुर सिंह,रोहित यादव, दुर्गेश यादव,मन बोध कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन नन्दलाल गुप्त विद्रोही ने किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरेश यादव व प्रमोद यादव ने आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य चन्द्रभूषण सिंह ने किया।

रुद्रचंडी महायज्ञ के लिए निकाली गई कलश यात्रा

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के कसया विकास खंड के ग्राम सभा पोखरभिण्डा में नौ दिवसीय रूद्र चण्डी महायज्ञ के शुभारंभ के अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाला गया। कलश यात्रा 1101पीत वस्त्रधारी कुमारी कन्या हाथी–घोड़े ट्रैक्टर–ट्राली बलेरो मोटरसाइकिल सहित सैकड़ों वाहनों पर गाजे बाजे के साथ सवार हर– हर महादेव का नारा लगाते हुए भक्तगण निकले तो पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा कलश यात्रा यज्ञ स्थल हनुमान मंदिर पोखर भिण्डा से प्रारंभ होकर रुदवलिया बसडीला पाण्डेय रावतपार, डिग्री पुरंदरपुर महासोन महुअवां कारखाना पोखरा टोला होते हुए खरदर पुल के पास घाघी नदी से जल भरकर यज्ञ स्थल प्रांगण में पहुंचा। यहां यज्ञाचार्य पं० नरसिंह तिवारी व सहयोगियों के द्वारा विधिवत पूजन अर्चन के बाद कलश स्थापना कराकर यज्ञ का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा मे शामिल कन्याओं को रुदवलिया बसडीला पाण्डेय महुअवां कारखाना पोखराटोला और पोखरभिण्डा चौराहे पर श्रद्धालुओं द्वारा जलपान भी कराया गया। यज्ञ समिति के अध्यक्ष पूर्व प्रधान इंद्रदेव सिंह प्रेमी ने बताया कि प्रतिदिन सुबह 8:00 से 11:00 बजे तक पूजन कार्यक्रम 1:30 से 5:00 बजे तक भोजपुरी मानव सम्राट वीरेंद्र तिवारी द्वारा कथा। सायंकाल पूजन हवन। रात्रि 8:00 बजे से 1:00 बजे तक रामलीला का मंचन होगा । पूर्णाहुति एवं महाभंडारा 2 जून सोमवार को होगा कलश यात्रा में जगरोशन पाण्डेय ग्राम प्रधान रामनगीना प्रसाद योगेन्द्र यादव सुभाष पाण्डेय हरीनारायण प्रसाद गुलाब निषाद फौदी सिंह सुभाष सिंह राजेश सिंह रामसेवक निषाद सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

सरयू में डूबे किशोर का दूसरे दिन मिला शव

बस्ती, (संवाददाता)। दुबौलिया थाना क्षेत्र के सरवरपुर गांव के दक्षिण सरयू नदी में शुक्रवार की शाम स्नान के दौरान लापता हुए 17 वर्षीय किशोर का शव घटनास्थल के निकट शनिवार को दिन में करीब 11 बजे मिला। सरवरपुर गांव निवासी राज सिंह पुत्र हरि सिंह गांव के अन्य साथियों के साथ शुक्रवार की शाम करीब छह बजे सरयू नदी में स्नान करने गए थे। वह गहरे पानी में डूब गए। पुलिस व स्थानीय गोताखोरों द्वारा काफी खोजबीन किया लेकिन उनका पता नहीं चल सका था। अगले दिन की सुबह पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने सर्च अभियान चलाया। शव घटनास्थल के पास ही शव उतरता दिखाई पड़ा। गोताखोर जगराम चौहान ने बाहर निकाला। राज के माता–पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। वह अपने भाइयों के साथ गुजरात रहता था। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। और अभी कुछ ही दिन पहले गुजरात से वह गांव घूमने आया था। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव में चर्चा है कि बालू निकालने के लिए वहां से कुछ दूरी पर सरयू नदी में बालू माफिया अस्थाई बांध बना रहे हैं। जिसके चलते इसी स्थान से बांध बनाने के लिए मिट्टी निकाली गई थी।जिसके चलते वहां एक बड़ा सा गड्ढा बन गया था और राज उसी गड्ढे में फंस कर डूब गया।

शीघ्र ही पुलिस विभाग में शामिल होगे हाईटेक उपकरणों से लैस चार पहिया वाहन - एसपी ग्रामीण

अयोध्या।एक सप्ताह के अंदर पुलिस विभाग को एक से बढ़कर एक अत्याधुनिक उपकरणों से लैस 20 चार पहिया हाइटेक वाहनों के मिलने की संभावना है।इससे पहले पिछले माह अप्रैल में 9 दो पहिया वाहन अत्याधुनिक उपकरणों से लैस हाइटेक प्लसर बाइक पुलिस विभाग को मिले थे।जो इस समय सभी थानों पर उपलब्ध है। इस बात की जानकारी देते हुए एसपी ग्रामीण बलवंत चौध ारी ने बताया पुलिस लाइन में पहले से उपलब्ध दो दर्जन से अधिक चार पहिया तथा दो पहिया वाहन कंडम होकर निष्पयोज्य पड़े हुए हैं।उन्होंने बताया कि पुलिस लाइन में पहले से मौजूद 8 बाइक तथा 14 चार पहिया वाहन निष्प्रयोज्य पड़े हुए हैं।जिसको लेकर मुख्यालय से पत्राचार किया गया था उसी के तहत पिछले महीने अप्रैल माह में कंडम पड़े 8 बाईक के सापेक्ष मुख्यालय से 9 अत्याधुनिक उपकरणों से लैस पल्सर बाइक पुलिस लाइन अयोध्या को उपलब्ध कराई

गई। उन्होंने बताया इसी तरह पुलिस लाइन में कंडम चार पहिया 14 वाहनों के सापेक्ष एक सप्ताह के अंदर ही अत्याधुनिक उपकरणों से लैस 20 चार पहिया वाहन विभाग को शीघ्र ही मिलने की संभावना है बताया कि हो सकता है कि इसी सप्ताह मे मुख्यालय से यह सभी वाहन पुलिस लाइन परिसर में आ सकते हैं।बताया कि जरूरत के हिसाब से इन सभी वाहनों को जिले के सभी सीओ, तथा थाना परिसर में भेजा जाएगा।इन वाहनों के आने से जहां एक तरफ पुलिस विभाग को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस जिसमें से खासकर इनोवा तथा स्कॉर्पियो वाहन ही उपलब्ध रहेंगे जिससे पुलिस लाइन परिसर में जंग खा रही वाहनों की जगह इन वाहनों से पुलिस अधिकारी के लिए भी आरामदायक रहेगी।इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर पिछले माह अप्रैल में सभी थाना क्षेत्र में उपलब्ध कराए गए अत्याधुनिक उपकरणों से लैस दो पहिया वाहनों खासकर पल्सर से अपराध पर भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

शेमारू उमंग का शो 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन'अब 100 एपिसोड्स क्लब मे शामिल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ोमारू उमंग का लोकप्रिय शो श्बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईनश ने हाल ही में अपने 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं और सेट पर इस मौके को बड़े ही जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। एक अनोखी और दिलचस्प कहानी के साथ शुरू हुआ यह शो दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुका है। इस खास मौके पर पूरी कास्ट और क्रू ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। यह शो पारंपरिक सास–बहू ड्रामों से हटकर दो मजबूत महिला किरदारों की कहानी बयां करता है। एक ओर चालाक और महत्वाकांक्षी जेठानी चमकीली, एक नौकरानी से जेठानी चुकी है, लेकिन उसका सपना हवेली की मालकिन बनने का है वहीं सीध ी–सादी और समझदार देवरानी चौना, छोटी ठकुराईन बनकर हवेली को बचाने और परिवार को जोड़कर रखने की कोशिश में जुटी रहती हैं। चौना का किरदार निभा रही लीड एक्ट्रेस दीक्षा धामी ने कहा, ष्बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन' में मेरा सफर बेहद खास रहा है। शो की शुरुआत में चौना को जयवीर से नफरत थी, लेकिन धीरे–धीरे यह नफरत प्यार में बदल गई। फिर चौना से रसीली बनने तक की यह पूरी यात्रा बहुत ही खूबसूरत और यादगार रही है। मैं दिल से आभारी हूं कि दर्शकों ने चौना के जुगाड़ू स्वभाव को इतना पसंद किया। हमारे लिए 100 एपिसोड पूरे करना बहुत गर्व और खुशी का पल है। यह एक्टर्स, डायरेक्टर्स, स्पॉट बॉयज, मेकअप आर्टिस्ट्स और पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। मैं दर्शकों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी, जिन्होंने हमें इतना प्यार दिया, आप सभी के बिना ये मुमकिन नहीं था। आगे भी हम ऐसे ही और यादगार एपिसोड्स लाते रहेंगे!ष जयवीर की भूमिका निभाने वाले अभिनेता शील वर्मा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, पांच महीने पहले जो लोग अजनबी थे, आज एक परिवार बन चुके हैं। सेट पर हमारा इतना समय साथ में बीतता है कि अब ये घर जैसा लगता है। 100 एपिसोड पूरे करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस शो ने मुझे जयवीर जैसे शानदार किरदार के साथ–साथ कई खूबसूरत यादें दी हैं खासकर मैं अपना 'पुष्पा' मेकओवर कभी नहीं भूलूंगा! साथ ही, रघुवीर सर और दिलीप सर जैसे मेंटर्स मिले, जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। ये तो बस शुरुआत है, अभी और लंबा सफर तय करना है! चमकीली का दमदार किरदार निभा रही अभिनेत्री इशिता गांगुली ने हँसते हुए कहा, चमकीली जब चमकती है ना, तो अच्छे–अच्छों के बल्ब फ्यूज हो जाते हैं! और लगता है कि अब ये चमक दर्शकों के दिलों तक पहुंच गई है दृ तभी तो हम 100 एपिसोड पूरे होने का जश्न आज मना रहे हैं! शुरूआती दिनों की मॉक शूटिंग, स्क्रिप्ट रीडिंग, राजस्थान की सर्द रातों में शूटिंग यह सब मुझे आज भी याद है। इस टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। शेमारू उमंग और पूरी प्रोडक्शन टीम को मैं दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं आज बहुत खुश हूं और उम्मीद करती हूं कि हम ऐसी ही बड़ी उपलब्धियों को मिलकर साथ सेलिब्रेट करेंगे मजबूत किरदारों और दमदार कहानी के साथ श्बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईनश लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है। इस शो को देखना न भूलें हर सोमवार से शनिवार, रात 9 बजे, सिर्फ शेमारू उमंग पर!

गो तस्करों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक ने चलाया अभियान 570 गौ तस्कर चिह्नित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बीते दिनों गौ तस्करो द्वारा चंदवक थाने और जलालपुर थाना क्षेत्र में बड़ी वारदातों को अंजाम देते हुए एक पुलिस कांस्टेबल को मौत की नीद सुला दिया तो दूसरी तरफ एक चौकी इंचार्ज और तीन पुलिस कांस्टेबल को गंभीर रूप से घायल कर दिया है। इसको लेकर पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई की जा रही है। पशु तस्करों को चिन्हित किया जा रहा है। जनपद में लगभग 510 पशुओं तस्करों को चिन्हित किया गया है जिनके खिलाफ पुलिस महाकमा बड़ी कार्रवाई कर रहा है। इस मामले में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ने कौस्तुभ ने बताया कि गो तस्करी और गोकशी के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत 110 स्थान चिन्हित किये गए हैं।जहाँ पर रात के समय पुलिस की उपस्थिति निश्चित की जा रही है साथ में बड़े बैरियर लगाने की भी तैयारी की जा रही है इसके क्रम में हमारे जनपद में कुल 10,000 बड़े बोलोरो पिकअप वाहन चिन्हित किए गए हैं उन सभी गाड़ियों के सत्यापन के लिए विशेष अभियान चलाया गया है इन सभी पर एक नंबरिंग की जा रही है जिससे हम यह निश्चित कर सके कि यह गाड़ियां कहां की है इस प्रकार की किसी भी गाड़ी जो कि माननीय नहीं है उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के गाइडलाइन के अनुसार लोहे की बंपर लग रही हैं या कोई ऐसा गैरेज जहां इस प्रकार के बंपर का निर्माण किया जा रहा है उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जनपद में कुल 570 गो तस्करी के अपराधी चिन्हित किए गए हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी उन सभी का सत्यापन कराया जा रहा है कितने सक्रिय हैं उसको भी देखा जा रहा है गो तस्करी रोकने के लिए चंदवक थाना अंतर्गत जहां कई थानों के बॉर्डर क्रॉस करते हैं वहां पर विशेष रूप से पुलिस व्यवस्था लगाई गई है कैमरे लगाए जा रहे हैं इन स्थानों पर विशेष चौकसी बरती जा रही है नए प्रकार के भारी बूम लगाए जा रहे हैं जिससे इनपर लगातार इनके ऊपर अंकुश लगाया जा सकता है आने वाले समय मे इनके विरूद्ध और कठोरत कार्यवाही की जायेगी।

शिद्दत के साथ मनाया गया शहीद अमिय त्रिपाठी की पुण्यतिथि

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के फाजिल नगर विकास खंड के भेलहा चन्द्रौटा में शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी के पैतृक गाँव स्थित उनकी प्रतिमा पर रविवार को दीप प्रज्वलित व श्रद्धा सुमन अर्पित कर 21वीं पुण्यतिथि मनायी गयी। इस दौरान भावुक क्षण पर उपस्थित लोगों ने उनको याद करते हुए जबतक सूरज चाँद रहेगा अमिय तुम्हारा नाम रहेगा जैसे देशभक्ति नारे लगाए गए। श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व सांसद राजेश उर्फ गुड्डू पाण्डेय ने कहा कि देश की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान देने वाले शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी को कृतज्ञ राष्ट्र के साथ ही गाँव नगर के लोग अनन्त काल तक याद रखेंगे और युवक उनकी शहादत से प्रेरणा लेकर देश रक्षा के लिए तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त न्यायाध ीश यू0बी0मिश्रा ने अमिय त्रिपाठी को एक बहादुर और निर्भीक देशरक्षक की उपाधि देते हुए कहा कि वह एक ऐसे जाँबाज सिपाही थे जो मरते–मरते दुश्मनों के दाँत खट्टे कर दिए थे। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला ने कहा कि आतंकवादियों से लोहा लेते हुये।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत अध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारी को किया गया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सभी सम्मानित अधिकारियों ध्पदाधिकारियों ध्एवं राष्ट्र भक्त सभी सदस्यों का ह्रदय से अभिनन्दन के साथ स्वागत, जयश्रीराम, जयहिंद.

जैसा कि आप सभी लोग जानते हैं कि हमारे संगठन की समाज व राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ भाव से समर्पित होकर कार्य करने की भावना का समाज के अनेक मचों से समय समय पर प्रशंसा की जाती रहती है एवं मीडिया में भी अपने अपने स्तर से चर्चा होते रहती है. संगठन के सदस्यों को राजेश सोनी प्रदेश अध्यक्ष आदर्श व्यापारी एसोसिएशन तथा एस. एस. इंफ्रा. वेंचर्स द्वारा निकट फीनिक्स यूनाइटेड माल, प्रताप टावर आलमबाग में बड़े ही आदर भाव व हर्सोल्लास के साथ शाल पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया. स्मृति चिन्ह को सैनिक सम्मान समारोह, आजादी से ऑपरेशन सिन्दूर तक भारत के सैनिकों के शौर्य एवं पराक्रम का सम्मान नाम से नामित किया गया. इस अवसर पर सम्मानित होकर अवध प्रान्त के अध्यक्ष कर्नल बी. एस. तोमर ने संगठन की तरफ से कार्यक्रम के संयोजकों का ह्रदय से आभार प्रगट

किया व वहां पर उपस्थित सभी व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों, नौजवानों से आग्रह किया कि उनका राष्ट्र एवं सेना के जवानों के प्रति समर्पण व आदरभाव पूरे देश में जाना चाहिए. हमें अपने राष्ट्र एवं अपनी सेना पर गर्व है. ऑपरेशन सिंदूर की अपार सफलता के लिये कर्नल साहब ने सरकार एवं पूरे देशवासियों को बधाई दी. कार्यक्रम में भोजन की भी अतिउत्तम व्यवस्था की गई थी. संगठन के उपस्थित निम्न सदस्यों को सम्मानित किया गया रू–

कर्नल बी. एस. तोमर, अध्यक्ष अवध प्रान्त, कैप्टन सरोज सिंह पदाधि ाकारी अवध प्रान्त व लखनऊ जिला, सूबेदार मेजर बी एल वर्मा सचिव अवध प्रान्त, वारंट ऑफिसर ललित मोहन पंत, सदस्य अवध प्रान्त व वरिष्ठ उपाध्यक्ष, लखनऊ, वारंट ऑफिसर पूरन सिंह बोहरा, पदाधि ाकारी लखनऊ, सूबेदार मेजर रतन सिंह, सदस्य लखनऊ, सी. पी. ओ. घनश्याम केसरी पदाधिकारी अवध ाप्रान्त व लखनऊ एवं सी. पी. ओ. देवेंद्र पाण्डेय सदस्य अवध प्रान्त एवं लखनऊ.सूबेदार कामता सिंह वीर नारी मधु सिंह एवं वीर नारी अंजू दुबे.कार्यक्रम के शुरुवात में बलिदानियों के लिये 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई.

अहिल्याबाई होलकर हमारे समाज, हमारे लोकमानस के लिए प्रेरणास्रोत है : एके शर्मा प्रभारी मंत्री

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के महंत अवैद्यनाथ सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं का लोकार्पण एवं शुभारंभ कार्यक्रम संपन्न हुआ। लोक भवन लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा समर कैंप आयोजन, आईसीटी लैब की स्थापना, स्मार्ट क्लास स्थापना एवं टैबलेट वितरण योजना जैसी कई नवीन योजनाओं का शुभारंभ किया गया, जिसका सजीव प्रसारण मुख्य अतिथि मंत्री नगर विकास, शहरी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा प्रदेश सरकार अरविंद कुमार शर्मा, विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र, मड़ियाहूं डा0 आर. के. पटेल, शाहगंज रमेश सिंह, सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह प्रिन्सू, पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, अध्यक्ष नगरपालिका परिषद जौनपुर मनोरमा मौर्य, जिलाध्यक्ष बीजेपी पुष्पराज सिंह और डा0 अजय सिंह, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र और मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य की उपस्थिति में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण समस्त शिक्षकों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, ग्राम प्रध ानों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा देखा गया। इस दौरान प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। बेसिक शिक्षा विभाग के अर्न्तगत हो रहे कार्यों, बच्चों के पठन–पाठन के दिशा में प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में किये गये पहल, बदलाव, नवाचार से संबंधित प्रदर्शनी, अभिभावको को प्रेरित करना और भविष्य में इसी प्रेरणा के साथ बच्चे आगे बढे और विद्यालयों में शत–प्रतिशत नामांकन

हो, यही इस कार्यक्रम का उददेश्य है। उन्होंने कहा कि पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती मनायी जा रही है, इस उपलक्ष्य में शासन और जिला प्रशासन के द्वारा गोष्ठियां आयोजित की जा रही है, जिसमें अहिल्याबाई होल्कर जी के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायी संस्मरण को याद किया जा रहा है, जो हमारे समाज, हमारे लोकमानस के लिए प्रेरणास्रोत है। जिससे हम अपने देश को समर्थ, समृद्ध और सम्पन्न बना सकते है। प्रदेश सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री जी के कर कमलों के द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया गया तथा जिसका सजीव प्रसारण आज हम सभी ने देखा। इसी क्रम में अन्य जनप्रतिनिधिगण ने भी शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचार पर अपने विचार रखे। शासन के निर्देश के क्रम में जनपद जौनपुर में मंत्री द्वारा डीएलएड प्रशिक्षकों द्वारा कराए गए मूल्यांकन में खंड शिक्षा अधिकारियों की सराहनीय भूमिका को स्वीकार करते हुए 06 खण्ड शिक्षा अधिकारियों (खंड शिक्षा अधिकारी जलालपुर राजेश कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी अमरेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी बदलापुर अरविंद कुमार पांडेय, खंड शिक्षा अधिकारी शाहगंज बसंत कुमार शुक्ला, खंड शिक्षा अधि ाकारी केराकत अखिलेश कुमार झा एवं खंड शिक्षा अधिकारी धर्मापुर राजेश कुमार वैश्य) को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए, साथ ही 05 पीएम श्री विद्यालयों (पीएम श्री विथार, नाथूपुर, सबरहद, इब्राहिमाबाद एवं कुरनी) में उत्कृष्ट कार्य कर रहे प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया तथा 05 प्रधानाध्यापकों (प्राथमिक विद्यालय हैदरगंज, कंपोजिट विद्यालय मियापुर, कंपोजिट विद्यालय रास मंडल, प्राथमिक विद्यालय मतापुर एवं लाइन बाजार सभी नगर क्षेत्र) को टेबलेट भी वितरित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने मा0 मंत्री जी को आश्वस्त किया कि जनपद जौनपुर बेसिक शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं में सदैव अग्रणी रहा है और भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु कटिबद्ध रहेगा। इस भव्य आयोजन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, जिला स्तरीय अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, शिक्षकगण तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से 29 खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षक हेतु आवेदन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के निर्देश के क्रम में क्रीड़ा अधि ाकारी ने अवगत कराया गया है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में 29 खेलों में (पॉवरलिफ्टिंग व साईकिलिंग को छोड़कर) अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों की रिक्तियों के सापेक्ष तैनाती हेतु सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से सेवाप्रदाता फर्म मेसर्स टी0 एण्ड एम0 सर्विसेज कन्सल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड दहिसर, मुम्बई द्वारा अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों हेतु आवेदन करने हेतु रिक्तियां सेवायोजन पोर्टल पर 25 मई 2025 से प्रदर्शित कर दी गयी हैं तथा पोर्टल पर आवेदन करने की अन्तिम तिथि 08 जून, 2025 है। प्रदेश में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों के रिक्त स्थानों को जेम पोर्टल के माध्यम से भरा जाना है। अतः विभिन्न खेलों में पात्र अभ्यर्थियों जैसे–अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, एन0आई0एस0ध्एल0एन0आई0पी0ई0 डिप्लोमाधारी खिलाड़ियों को सूचित किया जाता है कि सेवायोजन पोर्टल पर जाकर वैकेन्सी के अंतर्गत प्राइवेट जॉब में अपना पंजीकरण कराते हुए जेम पोर्टल पर आवेदन कर लें ताकि समय से रिक्तियों को पूर्ण कर प्रदेश भर में प्रशिक्षण शिविर का संचालन कराया जा सके।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।